सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 247 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

महानता कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है।
-कन्फ्यूशियस

भारत ने वेस्टइंडीज का सीरीज में किया लीन... 7
सीजेआई पर हमले के बहाने 'आप'... 3
सीएम योगी को घुसपैठिया बताने... 2

राहुल इन हरियाणा, मृतक पूरन के परिजनों के सिर पर रखा हाथ

पूरे देश में पिछड़े-दलितों में आक्रोश

» पश्चिम से पूरब तक सरकार बेचैन
» आरोपी अधिकारी को भेजा लंबी छुट्टी पर
» हाई एलर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था
» बिहार के पिछड़े वोट बैंक की चाबी हरियाणा से भर गये नेता प्रतिपक्ष?
» राहुल गांधी का हरियाणा जाना एक पॉलिटिकल रिसेट बटन की तरह

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा जल रहा है बाहर से नहीं बल्कि भीतर से और इस आग की तपिश अब दिल्ली तक पहुंचने लगी है। राज्य के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या ने उस सच को उजागर कर दिया है जिसे वर्षों से फाइलों और सामाजिक सद्भाव के नाम पर दबाया जाता रहा अब जब राहुल गांधी मृतक परिजानों से मिलने हरियाणा पहुंच रहे हैं तो यह सिर्फ एक शोक यात्रा नहीं बल्कि राजनीतिक पुनर्जागरण की यात्रा बनती दिखाई दे रही है।

और यह सवाल हवा में तैर रहा है कि क्या राहुल गांधी बिहार के पिछड़े वोट बैंक की चाबी हरियाणा की धरती से भरने जा रहे हैं। लगता बिल्कुल ऐसा ही है। राहुल गांधी दलित उत्पीड़न की बात लंबे समय से कर रहे हैं। और हरियाणा की घटना ने बैठे बिठाये उनके हाथ में ऐसी गुगली थमा थी जिससे वह एनडीए गठबंधन को क्लीन बोल्ड कर सकते हैं।

ये सिर्फ एक परिवार की बात नहीं है, पूरे दलित समाज से जुड़ा मुद्दा है : राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मैं केंद्र और हरियाणा सरकार से कहना चाहता हूं कि एक्शन लीजिए, अफसर पर कार्रवाई कीजिए और परिवार पर जो दबाव है, उसे हटाइए क्या कार्रवाई होनी चाहिए, इस सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, ऐसे आरोपी अफसरों को गिरफ्तारी होनी चाहिए। पीड़ित परिवार से हुई बातों और उनकी मांगों पर राहुल गांधी ने कहा, उनका अपमान किया गया। उनका करियर खत्म किया गया और अब उनके परिवार का सम्मान जल्द से जल्द वापस किया जाए। परिवार की ये मांगें एकदम जायज हैं। ये सिर्फ एक परिवार की बात नहीं है, पूरे दलित समाज से जुड़ा मुद्दा है।

अन्य राज्यों में भी फैल रहा है तनाव

हरियाणा की घटना के बाद महाराष्ट्र में भी तनाव तेजी से फैल रहा है। वहां की सरकार ने चिट्ठी लिखकर एलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र सरकार के पत्र में कहा गया है कि वाई पूरन कुमार आईपीएस के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बाद हालिया घटनाएं सामने आयी हैं। इस संदर्भ में सभी जिलों और संभागों में कड़ी निगरानी रखने और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है।

राहुल की एंट्री संवेदना या रणनीति?

राहुल गांधी का हरियाणा जाना महज संवेदना नहीं है बल्कि यह एक राजनीतिक मोर्चा खोलने की रणनीति है। राहुल गांधी लंबे समय से इस विषय पर मेहनत कर रहे हैं। वह जाति जनगणना, समाजिक न्याय और संवेदनशील शासन की नयी राजनीति बुन रहे हैं। हरियाणा की यह यात्रा उस ताने-बाने की नई डोर है। राहुल जानते हैं कि पिछड़े वर्ग, दलित और वंचित समुदाय ही भविष्य के लोकतंत्र की धुरी हैं। और बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में यह साइलेंट वोट बैंक 2024 की हार के बाद अब 2029 की तैयारी का मूल बन सकता है। इसलिए राहुल गांधी का हरियाणा जाना एक पॉलिटिकल रिसेट बटन है जहां वह कह रहे हैं कि लड़ाई अब अडानी-अंबानी बनाम आम जनता से आगे बढ़कर सत्ता बनाम सामाजिक न्याय की हो गई है।

एक मौत नहीं, व्यवस्था की शर्मनाक हकीकत

वाई पूरन कुमार, एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी थे। उनकी पत्नी भी एक आईएएस अधिकारी हैं। उनकी आत्महत्या ने न केवल हरियाणा पुलिस को बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे को सवालों के घेरे में ला दिया है। पत्रों और संवादों से जो तस्वीर उभर रही है वह सिस्टम के भीतर की सड़ांध का बताने के लिए काफी है। जहां जाति अब भी पहचान से पहले दी जाती है और सम्मान बाद में। एक सीनियर अफसर जो खुद कानून व्यवस्था का जिम्मेदार था अगर जातिगत भेदभाव से टूट जाए तो सोचिए उस क्लर्क, शिक्षक या किसान का क्या हाल होगा जिसके पास लड़ने के लिए न तो मंच है न माइक।

भीमराव अंबेडकर की आत्मा और जवाहरलाल नेहरू का दृष्टिकोण

यह घटना राहुल गांधी के लिए एक मौका है जाति को सिर्फ वोट की गिनती से आगे ले जाकर उसे न्याय की पुकार में बदलने का। यह वही फार्मूला है जिससे लालू प्रसाद यादव ने 90 के दशक में बिहार बदला था। अब राहुल उसी पथ पर 21वीं सदी का समाजिक न्याय आंदोलन खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। वह जय भीम, जय भारत जोड़ो की मिलीजुली भाषा बोल रहे हैं जहां भीमराव अंबेडकर की आत्मा और जवाहरलाल नेहरू का दृष्टिकोण एक मंच पर दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी की यह हरियाणा यात्रा प्रतीकात्मक नहीं है यह एक राजनीतिक संकेत है। क्योंकि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की हवा पहले से गर्म है। और कांग्रेस यह भांप चुकी है कि पिछड़े-पसमांदा वोट बैंक का मूड अब सिर्फ विकास से नहीं सम्मान से जुड़ गया है। यदि हरियाणा का जातिगत संघर्ष बिहार की गलियों तक पहुंचता है तो वहां यादव, कुशवाहा, माली, पासवान और मुसलमानों की साझा बेचैनी एक नई एकता में बदल सकती है।

सीएम योगी को घुसपैठिया बताने पर मचा बवाल

» भाजपा और सपा में वार-पलटवार

» अखिलेश बोले- उनको उनके राज्य में भेजा जाय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार व सीएम योगी पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने घुसपैठियों को लेकर बात करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा और उन्हें भी घुसपैठिया बता दिया।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे यूपी में भी घुसपैठिए हैं। मुख्यमंत्री खुद उत्तराखंड से हैं। हम तो चाहते हैं कि उन्हें उनके राज्य वापस भेज दिया जाए। अखिलेश के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने भी की प्रतिक्रि या दी है। योगी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा है कि अखिलेश यादव मानसिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। इसलिए इस तरह के अनर्गल बयान दे रहे हैं।

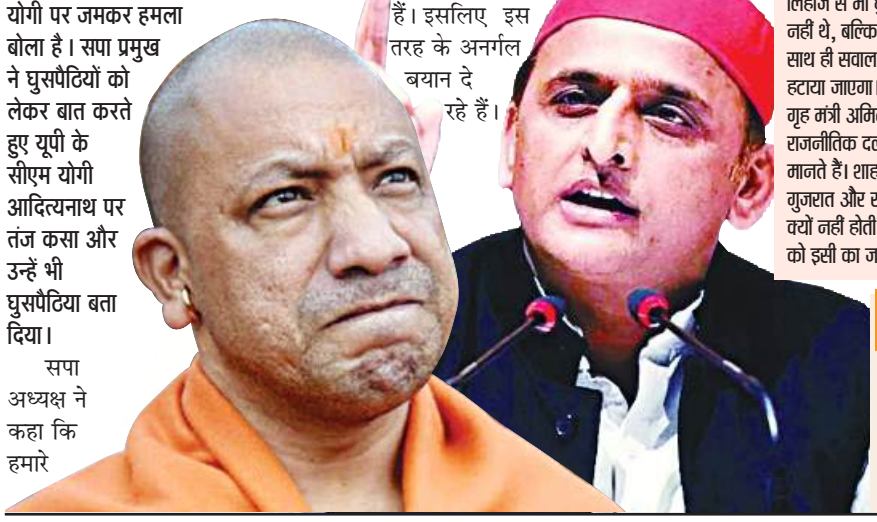

विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं योगी : अखिलेश

अखिलेश यादव घुसपैठियों के सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि वे (सीएम योगी आदित्यनाथ) विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं। वे भाजपा के सदस्य नहीं थे, बल्कि किसी और पार्टी के सदस्य थे। साथ ही सवाल दागा कि इन घुसपैठियों को कब हटाया जाएगा। यहां बता दें कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक की तरह मानते हैं। शाह ने यह सवाल भी उठाया था कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती। अखिलेश यादव के इस बयान को इसी का जवाब माना जा रहा है।

पंचायत चुनाव में किसी प्रत्याशी का आधिकारिक रूप से समर्थन नहीं करेगी समाजवादी पार्टी

सपा ने पंचायत चुनाव में सीधे प्रत्याशी न उतारे जाने की रणनीति बनाई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य के पदों पर सपा अपने आधिकारिक प्रत्याशी नहीं उतारेगी। इसकी वजह पार्टी के ही कई कार्यकर्ता एक ही पद के लिए लड़ेंगे। इसलिए इसमें किसी एक का समर्थन आगामी विधानसभा चुनाव के लिहाज से ठीक नहीं माना जा रहा है। अलबत्ता, पार्टी के जो कार्यकर्ता क्षेत्र पंचायत सदस्य या जिला पंचायत सदस्य के पद पर जीतकर आएंगे, उनको लेकर पार्टी ब्लॉक प्रमुख या जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए रणनीति बनाएगी। हालांकि, इस बारे में पार्टी की ओर से अपनी रणनीति का आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है।

सभी महिलाओं की जांच करे निर्वाचन आयोग

सपा ने चुनाव आयोग को ज्ञापन देकर मांग की है कि बुर्के वाली महिला मतदाताओं की पहचान आंगनवाड़ी सेविकाओं से कराने और जांच के बाद ही बुर्के वाली महिला मतदाता को मतदान करने संबंधी निर्देश वापस लिए जाएं। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव में इन निर्देशों को सख्ती से लागू करने और आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में भी इसे लागू करने को कहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त का नया निर्देश भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत है। इसमें बताया गया है कि मतदान के दिन मतदान अधिकारी को मतदाता की आईडी यानी मतदाता पहचान पत्र की जांच करने का अधिकार दिया गया है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत जा कर नया निर्देश जारी किया है। यह आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़ा कर रहा है।

हताश हो चुके हैं सपा प्रमुख : कपिल देव अग्रवाल

यूपी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे अब हताश हो चुके हैं। उनके पास कहने को कुछ नहीं है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने उनके इस बयान को मानसिक दिवालियापन बताया और कहा कि उनके पास अब कहने को कुछ और नहीं है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बड़ा विकास किया है यह अखिलेश की गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जब अपने गुरु के पास आए थे, तब उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड एक ही राज्य था। आज उत्तराखंड हमारा सिरमौर है। बांग्लादेशी घुसपैठिए रोहिंग्या से योगी आदित्यनाथ की तुलना करना अखिलेश का बौद्धिक दिवालियापन है।

महाराष्ट्र सरकार किसानों के साथ कर रही है मजाक: उद्धव ठाकरे

» बोले- शिवसेना यूबीटी नेता- राहत पैकेज के नाम पर दिया धोखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित हालिया राहत पैकेज को इतिहास का ''सबसे बड़ा मजाक'' करार दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार बाढ़ और बारिश से प्रभावित किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी की घोषणा करने में विफल रहती है तो किसान सड़कों पर उतरेंगे।

ठाकरे ने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता इतिहास का सबसे बड़ा मजाक है।'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में महाराष्ट्र के दौरे पर किसानों के बारे में कुछ नहीं कहा। मोदी ने बुधवार को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया था। ठाकरे ने यह भी कहा कि भारी बहुमत के बावजूद, सरकार राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने से डर रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य सरकार ने बारिश और बाढ़ के कारण भारी नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपये के मुआवजे के पैकेज की घोषणा की थी और कहा था कि कुल सहायता 48,000 रुपये प्रति हेक्टेयर होगी।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सरकार समय आने पर ऋण माफी की घोषणा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को हुए नुकसान पर केंद्र को सौंपने के लिए एक व्यापक ज्ञापन तैयार किया जा रहा है।

तारे ने मुझे शिंदे के बारे में चेतावनी दी थी, उनकी बात माननी चाहिए थी

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने को कहा कि पार्टी के दिवंगत नेता अनंत तारे ने 2014 में ही उन्हें एकनाथ शिंदे के बारे में चेतावनी दी थी और उन्हें इसे गंभीरता से लेना चाहिए था। ठाणे के तीन बार महापौर रहे तारे पर एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने 2014 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ा था, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी, जो उस समय उसकी सहयोगी थी, उसे ''नष्ट'' करने की योजना बना रही थी। ठाकरे ने महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री शिंदे का नाम लिए बिना कहा कि तारे ने उनसे कहा था कि यह आदमी एक दिन उन्हें धोखा देगा। शिंदे ने ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था और जून 2022 में उनके नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को गिरा दिया था।

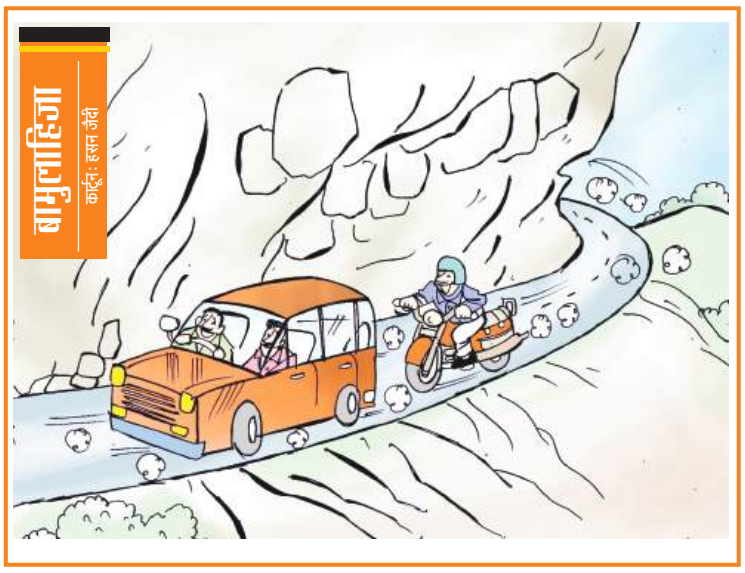

लखनऊ में पुलिस निष्क्रिय: मौलाना कल्बे जवाद

शिया धर्मगुरु ने हमले के बाद यूपी पुलिस-प्रशासन पर उठाए गंभीर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के अब्बासबाग कर्बला में शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद पर वक्फ की ज़मीन पर अवैध निर्माण का निरीक्षण करते समय हमला हुआ। उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया और सरकार से कड़ी कार्रवाई की माँग की।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना इलाके के अब्बास बाग में कथित तौर पर अतिक्रमण का मुआयना करने गए शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जवाद की गाड़ी पर कथित तौर पर हमलावरों ने पत्थराव किया। इस घटना के बाद मौलाना पुलिस पर आरोप लगाते हुए अपने समर्थकों संग धरने पर बैठ गए। हलांकि, बाद में उन्होंने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इस बीच, पुलिस ने उनके धरने पर बैठे होने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले में मिली शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मौलाना जवाद अब्बास के समर्थकों

के मुताबिक मौलाना बाग कर्बला में सोमवार को कथित अतिक्रमण का मुआयना करने पहुंचे थे, तभी अतिक्रमणकारियों ने उनपर पथराव कर दिया। इसके बाद वह अपने समर्थकों के साथ वहीं धरने पर बैठ गए। समर्थकों ने बताया कि शिया धर्मगुरु को कोई चोट नहीं आई लेकिन उनका वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। ठाकुर गंज थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) ओमवीर सिंह चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दो पक्षों के विवाद में घटना हुई है। उन्होंने मौलाना जवाद के धरने पर बैठने की पुष्टि की और कहा कि इस मामले में एक तहरीर मिली है, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

मुख्यमंत्री पर मौलाना ने जताया भरोसा!

मौलाना ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तमाम अवैध निर्माण ध्वस्त कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह यहां के अवैध अतिक्रमण को भी हटवाएंगे। मौलाना कल्बे जवाद ने कहा कि वे उसी जगह पर धरना दे रहे हैं जहां उन्हें निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार आरोपियों की तुरंत गिरफ़्तारी की जाये। प्रमुख शिया धर्मगुरु ने बताया, मैं अब्बास बाग स्थित कर्बला में अवैध निर्माण की खबर सुनकर गया था। जैसे ही मैं वहां पहुंचा, माफिया तत्वों ने मुझे निशाना बनाया। उन्होंने स्थिति को सांप्रदायिक रंग देने के लिए धार्मिक नारे भी लगाए।

मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं: मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

» रात्रिभोज बैठक में किसी भी चर्चा से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों के लिए निर्धारित रात्रिभोज बैठक का प्रस्तावित मंत्रिमंडल फेरबदल से कोई संबंध है।

राज्य में कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष कार्यकाल के इस साल नवबर में ढाई साल पूरे होने के मद्देनजर संभावित नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति करार दे रहे हैं। सिद्धरमैया ने रात्रिभोज के बारे में प्रश्न किए जाने पर बागलकोट में कहा, मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूं। कुछ समय से ऐसा आयोजन संभव नहीं हो पाया था, इसलिए इस बार आयोजित कर रहा हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह विशेष रात्रिभोज है, तो उन्होंने कहा, रात्रिभोज में कुछ भी खास नहीं है। यह सामान्य रात्रिभोज है।

भजन सरकार ने शाह को गलत ब्रीफ कर भाषण दिलवाया: अशोक गहलोत

» बोले- एमओयू सार्वजनिक करे राजस्थान सरकार जनता खुद दे देगी फीडबैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में राइजिंग राजस्थान निवेश समिट में किए गए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू में से 7 लाख करोड़ का धरातल पर उरतने के दावों पर सवाल खड़े होने लगे हैं। कांग्रेस ने विधानसभा में निवेश प्रस्तावों को लेकर जो सवाल लगाए उनका सरकार की तरफ से जवाब नहीं दिया गया।

यह कहना है पूर्व सीएम अशोक गहलोत का, जिन्होंने सरकार से मांग की है कि इनवेस्टमेंट समिट में हुए रूथ को सरकार को सार्वजनिक किया जाए। जयपुर के जेईसीसी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से अशोक गहलोत का नाम लेकर कहा था – मैंने अशोक गहलोत का कमेंट पड़ा था कि 35 लाख करोड़ के एमओयू तो किए, जमीन पर कितने उतरेंगे? उस वक्त तो हमने किसी को जवाब नहीं दिया था। मैं आज गहलोत को कहना चाहता हूं कि ये भाजपा की सरकार है। कांग्रेस की सरकार नहीं है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं।इसके जवाब में गहलोत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि किसी अधिकारी या राजस्थान की भाजपा सरकार ने उनको गलत ब्रीफ कर भाषण में कहलवा दिया क्योंकि प्रदेश की जनता और व्यापारी वर्ग तलाश रहे हैं कि 7 लाख करोड़ के एमओयू कहां जमीन पर उतरे हैं। राज्य सरकार को कम से कम गृहमंत्री के दावे को पुख्ता करने के लिए इनकी सूची सार्वजनिक कर देनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी तो चाहती है कि 35 लाख करोड़ रुपये का पूरा निवेश ही प्रदेश में आए जिससे युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश को राजस्व मिले। परन्तु विडंबना ये है कि विधानसभा में लगाए गए सवाल, आरटीआई से मांगी गई जानकारी आदि में भी राज्य सरकार ने किए गए 35 लाख करोड़ रुपये के रूथ की जानकारी नहीं दी है। यदि यह इवेंट इतना सफल रहा है तो जानकारी क्यों छिपाई जा रही है?

सीजेआई पर हमले के बहाने 'आप' बढ़ाएगी सियासी ताप

पंजाब विधानसभा चुनाव-27 में बनाएगी बड़ा मुद्दा

- राज्य के कई थानों में आरोपी पर केस
- मान सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया
- भाजपा के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सीजेआई पर हमले के बहाने आप की दलित वोटो पर नजर है। आगामी 27 के विधान सभा चुनाव में वह बड़ा मुददा बना सकती है। इसी के मद्देनजर वह बड़ी तैयारी कर रही है। आप सरकार ने साफ किया कि दलित समाज के खिलाफ किसी भी तरह का अपमान या अत्याचार पंजाब में बर्दाश्त नहीं होगा। बता दें कि पंजाब में 31.9 प्रतिशत दलित आबादी रहती है। माना जा रहा है कि इसीलिए पंजाब की सरकार ने सीजेआई के खिलाफ चल रहे सोशल मीडिया कैंपेन पर केस दर्ज किया। 6 अक्टूबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश हुई।

प्रधानमंत्री मोदी और सभी राजनीतिक दलों ने इस घटना की तीव्र निंदा की और न्यायाधीश के धैर्य की प्रशंसा की। लगभग सभी पर्टियां ने निदां की पर विपक्ष इसके पीछे बीजेपी का मौन समर्थन बताकर उसे घेरने का प्रयास किया। हालांकि इस मामले में आम आदमी पार्टी ने ज्यादा सक्रियता दिखाई। पंजाब में आप की सरकार है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में दलितों के खिलाफ सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले कई मामलों में एफआईआर दर्ज करवाई। 6 अक्टूबर 2025 देश के इतिहास में ऐसा दिन था, जो० आज तक देश ने कभी नहीं देखा। सुप्रीम कोर्ट के अंदर भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश की गई। इस घटना को अंजाम देने वाले वकील राकेश किशोर को मुख्य न्यायाधीश ने माफ कर दिया। घटना के बाद सीजेआई के कहने पर आरोपी वकील को पुलिस ने छोड़ दिया। उनका जूता और अन्य सामान भी लौटा दिया। सीजेआई ने इस घटना को नजरअंदाज करते हुए कहा था कि हम

सीजेआई मुद्दे पर हमलावार 'आप'

आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल सोमवार से लेकर गुरुवार तक 4 पोस्ट सोशल मीडिया पर सीजेआई के मामले में कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कुछ पोस्ट अपने पार्टी के नेताओं का शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सीजेआई से जुड़े मुद्दों को उठाया है। अब इस मामले में हरियाणा के दलित आईपीएस अधिकारी का भी मुद्दा जुड़ गया है। अधिकारी पूरन कुमार ने सीनियर अधिकारियों पर जाति के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाकर आत्महत्या कर लिया। आम आदमी पार्टी ने दोनों मुद्दों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है। साथ ही आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज जय भीम यात्रा चला रहे हैं वहीं उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने सीजेआई के मामले में एक वीडियो भी जारी किया

आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने सीजेआई के मामले में एक वीडियो भी जारी किया है। केजरीवाल ने कहा कि सीजेआई गवई एक दलित समाज से आते हैं और कुछ लोगों को यह सहन नहीं हो रहा है कि एक दलित समाज से जुड़ा शख्स न्यायपालिका की टॉप पोस्ट तक पहुंच गया। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने सवाल करते हुए क्या ये हरकतें दलित समाज को डराने व अपमानित करने की कोशिश नहीं है। इसके बाद एक आम दलित किससे न्याय की आस करेगा। क्या इससे दलितों पर अत्याचार व उनसे नफरत करने वालों के हौसले बुलंद नहीं होंगे।

पंजाब में 31.9 प्रतिशत दलित आबादी

सरकार ने साफ किया कि दलित समाज के खिलाफ किसी भी तरह का अपमान या अत्याचार पंजाब में बर्दाश्त नहीं होगा। बता दें कि पंजाब में 31.9 प्रतिशत दलित आबादी रहती है। माना जा रहा है कि इसीलिए पंजाब की सरकार ने सीजेआई के खिलाफचल रहे सोशल मीडिया कैंपेन पर केस दर्ज किया। साल 2011 के जनसंख्या के आधार पर देश में 20.13 करोड़ दलित आबादी है। पार्टी से जुड़े लोग बताते हैं कि पंजाब में सरकार बचाए रखना आम आदमी पार्टी के लिए सबसे अधिक प्राथमिकता में है। क्योंकि पंजाब में दलित आबादी लगभग 32 प्रतिशत है, इसलिए आप के लिए जरूरी है कि वह दलितों के मुद्दे को उठाए और उसकी मैसेजिंग जनता तक पहुंचे।

पार्टी का ध्यान पंजाब में सत्ता को बचाए रखना

पार्टी का ध्यान पंजाब में सत्ता को बचाए रखना है। साथ ही विस्तार के तौर पर गुजरात, गोवा उनकी प्राथमिकता में है। गुजरात में 8 प्रतिशत दलित आबादी है, संख्या के लिहाज से यह कम है लेकिन समुदाय का सियासी ताकत रखता है। बता दें कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में देश भर में दलितों के खिलाफ अपराध के 57,789 मामले दर्ज हुए हैं। जिसमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में हुआ। यहां दलितों के खिलाफ अपराध के 15,130 मामले दर्ज हुए, जो कि देश में सबसे ज्यादा हैं। हरियाणा की बात करें तो यहां 1539 मामले सामने आए वहीं पंजाब में 116 मामले सामने आए है।

100 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान

आम आदमी पार्टी ने इस हमले की निंदा तो की, साथ ही एक कदम आगे बढ़ाते हुए पंजाब में कई जगहों पर एफआईआर दर्ज कर दिया। आप सरकार ने सोशल मीडिया पर दलित समाज और देश के चीफ जस्टिस के खिलाफ चल रहे आपत्तिजनक और नफरती कैंपेन पर सख्त कार्रवाई करते हुए लोगों से मिली शिकायतों के आधार पर कई शहरों में एससी एसटी एक्ट में केस दर्ज किया। 100 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान की हुई है।

पंजाब में दलित आबादी 39 अलग-अलग जातियों में बंटी है

पंजाब में दलित आबादी 39 अलग-अलग जातियों में बंटी है। मालवा क्षेत्र की सभी दलित सीटों पर आम आदमी पार्टी को जीत हासिल हुई। बता दें कि साल 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी को 92 सीट पर जीत हासिल हुई थी। सीएसडीएस की माने तो हिंदू दलित आबादी ने 2022 के चुनावों में 32 प्रतिशत ने आप को वोट किया था, वहीं सिख दलित ने 46 प्रतिशत आम आदमी पार्टी को वोट किया था। यानी कि दोनों ही धर्म के दलित आबादी ने आप के पक्ष में वोट किया।

85 प्रतिशत दलित सीट पर आप की पकड़

दलितों के प्रतिनिधि पार्टी के रूप में अस्तित्व में आई बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम भी पंजाब के रहने वाले थे। पंजाब के बड़े क्षेत्र मालवा में जाटव और मजहबी सिख बड़ी तादाद में हैं। माझा क्षेत्र में ज्यादातर मजहबी सिख और ईसाई दलित हैं और दोआबा में जाटव और वाल्मीकि समूह बड़ी तादाद में हैं। 117 सीट वाले पंजाब विधानसभा में 34 सीट एससी आरक्षित है। अगर बात साल 2022 के चुनावों की करें तो आम आदमी पार्टी को 34 में से 29 सीटों पर जीत हासिल हुई थी, वहीं 4 सीट कांग्रेस को और 1 सीट अकाली दल को मिली थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विद्यार्थियों में मानसिक असंतुलन, तनाव चिंतनीय

भारत में बीते 8-10 वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों में मानसिक असंतुलन, तनाव, अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसी घटनाओं का बढ़ना अत्यंत दुखद व चिंतनीय है। इन चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब सरकार, विश्वविद्यालय और नियामक संस्थाएं साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति बनाएं। ऐसे में यदि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम सभी सार्वजनिक वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किए जाएं, तो यह न केवल इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की कमी की पूर्ति करेगा अपितु समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता भी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। जैसे-जैसे भारत आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के चलते तनाव, असंतोष और प्रतिस्पर्धा जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। छात्र, कर्मचारी, अधिकारी और गृहिणियां सभी किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं। महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर यदि क्लिनिकल साइकोलॉजी, काउंसलिंग, बिहेवियरल साइंस, रिहैबिलिटेशन स्टडीज और न्यूरोसाइंस जैसे विषयों को प्रोत्साहन दिया जाए तो न केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे अपितु ये संस्थान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियों, अनुसंधानों और समुदाय सेवा के सक्रिय केंद्र भी बन सकेंगे।

यह विशेष शिक्षा विद्यार्थियों को यह समझने में सहायक होगी कि जीवन की चुनौतियों का सामना किस प्रकार संयमित और संतुलित रूप से किया जा सकता है। सार्वजनिक उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा से समाज और शिक्षा दोनों को भला होगा। इससे शिक्षकों और छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी, जिसके फलस्वरूप परीक्षा के दबाव, असफलता या प्रतिस्पर्धा के कारण बढ़ने वाले तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं में कमी आने की प्रबल संभावना है। यह उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के समग्र विकास और कल्याण पर विशेष बल दिया गया है और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा अथवा विशेष शिक्षा उसी दिशा में एक सशक्त प्रयास सिद्ध हो सकती है। डिजिटल व सोशल मीडिया युग में बर्नआउट, डिजिटल लत और सामाजिक अलगाव जैसी नई मानसिक चुनौतियां सामने आ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की बड़ी मांग देखी गई है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान स्तर पर पर्याप्त संख्या में ऐसे विशेषज्ञ तैयार किए जाएं तो भारत न केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर सकता है अपितु वैश्विक स्तर पर भी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए अब तक कोई राष्ट्रीय स्तर का मानक ढांचा भी जन सामान्य की जानकारी में नहीं है।

“ जैसे-जैसे भारत आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के चलते तनाव, असंतोष और प्रतिस्पर्धा जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अफगान महिलाओं के अधिकारों का यक्ष प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

'क्या आप करवा चौथ का व्रत रखती हैं'? यहां कोई गलती न रहे, यह महज एक 'गुगली' है, न कि एक सवाल, जो सालों से उत्तर भारतीय महिलाओं से पूछा जाता रहा है। सिर्फ इसलिए नहीं कि अगर आप रखती हैं तो आपका मजाक बनाया जाएगा (नारीवादियों द्वारा कनखियों से देखते हुए) या अगर नहीं रखती हैं तो भी हिकारत से देखा जाएगा (मध्य वर्गीय भारत के बढ़ते संस्कृतिकरण की वजह से, जिसका मानना है कि किसी भी पहेली का सिर्फ एक ही जवाब हो सकता है), बल्कि इसलिए कि यह सवाल अपने आप में संकुचित है। इस पर चुप्पी साधना बेहतर। बढ़िया रहेगा कि रूही तिवारी द्वारा हाल ही में लिखी गई किताब 'महिलाएं क्या चाहती हैं' पढ़ें। सुश्री तिवारी की किताब भारत में 'महिला मतदाता को समझने' के बारे में है, लेकिन सवाल का परिदृश्य बृहद है।

अगर आपमें कल्पनाशीलता है, तो आप इसके दायरे को और भी व्यापक बना सकते हैं, जिसमें पड़ोसी अफगानिस्तान भी शामिल है, जहां का तालिबान शासन अपनी ही महिलाओं के खिलाफ सबसे दमनकारी कार्रवाइयां चलाए हुए है। दरअसल, दिल्ली से खबर आई थी कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी, जो भारत के छह दिवसीय दौरे पर हैं और इस दौरान वे प्रेम के प्रतीक ताजमहल और देवबंद मदरसे का भी दौरा करेंगे, पर उन्होंने बीते शुक्रवार को राजधानी में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी भारतीय महिला पत्रकार की मौजूदगी पर रोक लगा दी। शायद मुत्ताकी को इस बात की चिंता थी कि उन्हें भारतीय महिलाओं के साथ वार्तालाप करते देख स्वदेश में क्या संदेश जाएगा। भले ही प्रेस वार्ता अफगान दूतावास में हुई थी, जोकि तकनीकी रूप से अफगानिस्तान की धरती है, तालिबान नेता ने अपने देश की आधी आबादी को यह संकेत देने का एक बड़ा मौका गंवा दिया कि अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात को अंधकारमय युग से बाहर निकलने का एक और छोटा-सा मौका क्यों दिया जाना चाहिए।

क्या पता, भारतीय महिला पत्रकार मुत्ताकी से ऐसा कुछ पूछ बैठतीं जिसका उनके पास कोई जवाब न होता। मसलन, अफगान महिलाएं क्या चाहती हैं? और अगर उनकी हसरत अपना हक पाने भर की है, तब कंधार के मुल्ला उन्हें वह क्यों नहीं देते? लेकिन, अगर आप वाकई देखना चाहें, तो तमाम जवाब मौजूद हैं। यह लेखिका अगस्त

2022 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा किए जाने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर वहां मौजूद थी, और इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय के आईसीयू में यह देखने गयीं कि महिला नर्सें और डॉक्टर सबसे कठिन मामलों से कैसे निबटते हैं। आईसीयू साफ और सैनिटाइज्ड था। महिला डॉक्टरों और नर्सों ने वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन चेहरे ढके हुए नहीं। वहां वे जान बचाने को थीं, खासकर जिंदगी की लड़ाई लड़ते नवजात शिशुओं की, इसलिए नहीं कि वे महिला थीं, बल्कि इसलिए कि उनके पास ये कौशल, विशेषज्ञता व प्रतिबद्धता थी। दिल्ली में, निश्चित रूप से, भारत और अफगान शासन, महिला पत्रकारों को दूर रखने के मामले को रफा-दफा कर इस पर विवाद न्यूनतम रखना चाहेंगे और सभी से चीजों को व्यापक परिदृश्य के मुताबिक देखने का आग्रह करेंगे- यानी भारत तालिबानों के रवैये को लेकर अपने एतराजों से पीछे हट चुका है और अब काबुल में अपने राजनयिक मिशन को पूर्ण दूतावास में अपग्रेड करेगा। यह न केवल पड़ोस को लेकर भारत की नीति में वाकई बड़ा कदम, बल्कि व्यावहारिकता की ओर स्वागत योग्य वापसी का संकेत भी है। दुःखद यह कि अफगानिस्तान के मामले में अपनी गलतियों को समझने में भारत सरकार को करीब एक दशक लग गया। भारत ने अमेरिकियों, खासकर काबुल में अफगान मूल के पूर्व अमेरिकी राजदूत जल्माय खलीलजाद से अति प्रभावित होकर भुला दिया कि इस क्षेत्र में उसकी स्थिति कितनी मजबूत है। होना चाहिए था कि अमेरिका भारत के इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य व मौजूदा विश्लेषणों पर निर्भर रहता, जबकि हुआ उलट। अफगान परिदृश्य में सत्ता वितरण में भारत को भूमिका निभानी चाहिए थी - सबसे पहले, हामिद करजई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला के बीच सत्ता संघर्ष सुलटाने में मदद करके; फिर जब अशरफ गनी को अमेरिकी स्थापित कर रहे थे, तो उन्हें बताना चाहिए था कि यह गलत निर्णय है; लेकिन जब गनी काबुल की गद्दी पर बैठ ही गए, तो भारत को चाहिए था कि उभरते तालिबान के खिलाफ एक गठबंधन बनाने में मदद करे, सभी पक्षों में समझौता कराने को उदारवादी तालिबान से भी बात कर सकता था।

इस बीच दिल्ली में चर्चा चली कि देखा भारत ने कितनी चतुराई से तालिबान को अपने पाले में कर लिया है! जबकि विडंबना है कि तालिबान तो बहुत पहले से भारत के साथ आने को तैयार था।

शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट पर आत्ममंथन करें

वर्तमान समय में न्यायपालिका की सबसे बड़ी चिंता शिक्षण क्षेत्र में फैलते फर्जीवाड़े को लेकर है। यह फर्जीवाड़ा लगातार बढ़ रहा है, परंतु पाठ्यक्रमों और पाठ्यपुस्तकों में आवश्यक सुधार के संकेत नहीं दिखते। बिना किसी ठोस योग्यता के बांटी जा रही डिग्रियां न केवल युवाओं के भविष्य को संकट में डालती हैं, बल्कि जनहित को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

सुरेश सेठ

हम देश में शिक्षा के नए मॉडलों, डिजिटल प्रगति और कृत्रिम मेधा की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। तकनीक और इंटरनेट की ताकत में हम विकसित देशों की बराबरी का दावा करते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी शिक्षा से मिलने वाले जागरूकता के संस्कार आमजन तक नहीं पहुंच पाए हैं। कृत्रिम मेधा और रोबोटिक युग की चर्चा के बीच देश का बड़ा ग्रामीण हिस्सा अब भी इनसे वंचित है। शिक्षा क्रांति का अर्थ यह है कि आधुनिक शिक्षा केवल अमीर और उच्च वर्ग तक सीमित न रहे, बल्कि गरीब वर्ग के बच्चों को भी समान अवसर और ज्ञान प्राप्त हो। सरकारी स्कूलों का स्तर इतना ऊंचा हो जाए कि गरीब छात्रों को महंगे, पश्चिमी शैली के स्कूलों की आवश्यकता न पड़े। वास्तव में शिक्षा क्रांति के जो लक्ष्य निर्धारित किए गए थे, वे अभी तक साकार नहीं हो सके हैं।

हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की टिप्पणियां इस विफलता को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि न केवल पंजाब, बल्कि देशभर के शिक्षा नियामक संस्थान अपने संस्थानों में न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को लागू करने में असफल रहे हैं। नियामक संस्थाओं का दायित्व था कि वे शिक्षा को वैज्ञानिक, सुसंस्कृत और आधुनिक स्वरूप दें, लेकिन व्यवहार में वे केवल औपचारिकता निभा रही हैं। इस लापरवाही का परिणाम यह है कि स्कूलों और कॉलेजों की परीक्षाएं ही नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य निर्धारण वाली प्रतियोगी परीक्षाएं भी सुचारु रूप से नहीं हो पा रही हैं। वर्तमान समय में न्यायपालिका की सबसे बड़ी चिंता शिक्षण क्षेत्र में फैलते फर्जीवाड़े को लेकर है। यह फर्जीवाड़ा लगातार बढ़ रहा है, परंतु पाठ्यक्रमों और पाठ्यपुस्तकों में आवश्यक सुधार के संकेत नहीं दिखते। बिना किसी ठोस योग्यता के बांटी जा रही डिग्रियां न केवल युवाओं के भविष्य को संकट में डालती हैं, बल्कि जनहित को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

हाल ही में पंजाब से खबरें सामने आईं कि कुछ कर्मचारी, जिनमें शिक्षक और डॉक्टर भी शामिल थे, फर्जी डिग्रियों के आधार पर वर्षों तक नौकरी करते रहे। जब प्रमोशन के समय जांच हुई, तब ये घोटाले उजागर हुए। आज देश का हर नौजवान विदेशों में कमाने का सपना देखता है। इंग्लैंड जैसी जगहों पर अंग्रेजी भाषा की योग्यता के लिए प्रमाणपत्र मांगे जाते थे, जिन्हें जाली तरीके से प्राप्त कर लिया जाता था। लेकिन इन फर्जी डिग्रियों के कारण विदेशों में न केवल उनके सपनों को झटका लगता, बल्कि दोयम दर्जे का जीवन भी जीना पड़ता था।

न्यायपालिका की एकल पीठ की सबसे बड़ी चिंता शिक्षा के बढ़ते व्यापारीकरण को लेकर है। बच्चों के स्कूल में दाखिले के साथ ही पहली कक्षा से ट्यूशन शुरू करवा दी जाती है और अभिभावक इसे अपनी जिम्मेदारी की समाप्ति मान लेते हैं। शिक्षा प्रणाली में व्यापारीकरण इस हद तक बढ़ गया है कि चाहे वह दाखिले की संयुक्त परीक्षाएं हों या आईएएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाएं, हर स्तर पर कोचिंग संस्थानों का बोलबाला है। न्यायपीठ ने यह भी इंगित किया कि सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स से पैदा हुआ है, जिनका उद्देश्य शिक्षा नहीं, बल्कि व्यावसायिक लाभ है। इन संस्थानों से मिलने वाली तकनीकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल उठते हैं। न्यायालय ने कहा है कि इंजीनियरिंग जैसी तकनीकी डिग्रियों को तभी मान्यता दी जाए जब वे एआईसीटीई से अनुमोदित हों। वर्तमान परिवेश में निजी शिक्षा और कोचिंग संस्थानों का जाल इस कदर फैल गया है कि कई संस्थान किसी भी विश्वविद्यालय से डिग्री दिलवाने का दावा करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग हर वर्ष ऐसे अवैध और मान्यता-विहीन संस्थानों की सूची जारी करता है, जो नाम बदल-बदल कर फर्जी डिग्रियों का धंधा चला रहे हैं। पंजाब में ही 16 से अधिक निजी विश्वविद्यालय सक्रिय हैं, लेकिन उनका शैक्षणिक स्तर क्या है, यह गंभीर प्रश्न है।

यदि हर डिग्री की विश्वसनीयता परखने के लिए एक और परीक्षा लेनी पड़ी, तो यह परीक्षा-दर-परीक्षा की प्रणाली भी एक अव्यवस्थित मूल्यांकन पद्धति बनकर रह जाएगी। हर वर्ष परीक्षाओं के नियमों में बदलाव किए जाते हैं, फिर भी छात्रों की शिकायतें बनी रहती हैं। शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि ऐसा आमूलचूल परिवर्तन होना चाहिए जो व्यक्ति के भीतर ज्ञान और मूल्यों की ज्योति प्रज्वलित करे, न कि भौतिकवाद की ऐसी आंधी, जो सही और गलत की पहचान तक मिटा दे। दुर्भाग्यवश, आज शिक्षा प्रणाली में बाजारीकरण इतना हावी हो गया है कि डिग्री को ज्ञान और अभ्यास से ऊपर रखा जा रहा है। इसमें शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और पुस्तक संस्कृति के क्षरण की भी भूमिका है। यदि भारत को 2047 तक वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ना है तो शिक्षा की गिरावट पर गंभीर आत्ममंथन करना होगा।

दीपावाली पर पहले से बनाकर तैयार कर लें ये चार नाश्ते

दिवाली रोशनी, पटाखों और लक्ष्मी पूजन का त्योहार तो है ही लेकिन इस पर्व में स्वाद का भी महत्व है। भारतीय त्योहारों पर तरह-तरह के पारंपरिक और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं, जिनका स्वाद पूरा परिवार, सगे संबंधी और दोस्त साथ मिलकर चखते हैं। त्योहार पूरा परिवार, रिश्तेदार और दोस्त एक दूसरे से मिलने उनके घर जाते हैं। ऐसे में दिवाली के पांच दिवसीय पर्व में सुबह के नाश्ते से लेकर लंच-डिनर और मेहमानों के लिए तरह तरह के व्यंजन परोसे जाते हैं। इसके अलावा त्योहार पर और भी बहुत सारे काम रहते हैं, इस कारण कई बार इतने सारे पकवान बनाना और तैयार होना थकावट भरा हो सकता है। इसलिए दिवाली के लिए कुछ स्वादिष्ट स्नैक्स पहले से भी बना कर रखे जा सकते हैं। यह कई दिनों तक बिना खराब हुए स्टोर किए जा सकते हैं। जो दिवाली पर आपके मेहमानों को जरूर पसंद आएंगी।

नमकीन सेव

हल्के मसालेदार और झटपट बनने वाले आलू सेव को दिवाली के स्नैक्स में जरूर शामिल करें। बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको पसंद आता है। अगर आपके पास समय है और आपको कुकिंग का शौक है तो ऐसे नमकीन सेव तैयार करें। ऐसे महीन सेव का इस्तेमाल आप सेव पूरी, पापड़ी चाट और भेलपूरी बनाने में भी कर सकते हैं। ये ऐसे में खाने में अच्छे लगते हैं। वैसे तो नमकीन की प्रकार के होते हैं, चना दाल नमकीन से लेकर मसाला पीनट तक देखने को मिलती हैं। आलू सेव बनाने में बेहद ही आसान है और इसे बनाने के लिए आपको बाजार से भी सामग्री लाने की जरूरत नहीं हैं। इसे नमकीन को बनाने के बाद 15 से 20 दिनों तक आराम से स्टोर करके भी रख सकते हैं।

चिवड़ा नमकीन

दिवाली पर जब मेहमान घर पर मिलने आते हैं तो उनका स्वागत मिठाइयों से तो होता ही है, मगर उसमें साथ जब कुछ स्नैक्स भी परोसा दिया जाए तो मन खुश हो जाता है। दिवाली पर पोहे से तैयार नमकीन बनाएं। यह खट्टी-मीठी नमकीन खाने में बड़ी ही लाइट होती है, जिसे जितना भी खाओ मन नहीं भरता। इस लाजवाब स्नैक्स का नाम है नमकीन पोहे का चिवड़ा। यह नमकीन खाने में चटपटी लगती है, जिसमें मसाले, ड्राय फ्रूट्स, मखाना, सेव, नमक और चीनी आदि मिलाकर बनाया जाता है। अगर आपको या आपके परिवार में लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो आप इसमें हरी मिर्च को फ्राई कर के भी डाल सकती हैं।

नमकपारे

भारत का यह पारंपरिक स्नैक्स काफी लोकप्रिय है। इसे बनाना भी आसान होता है। करारे और हल्के नमकीन नमकपारे दिवाली की पारंपरिक रेसिपी हैं। साथ ही मठरी भी दिवाली स्नैक्स लिस्ट की शान होती है। इन दोनों को बनाने के लिए लगभग एक ही तरह की सामग्री चाहिए। मैदा, सूजी और घी से तैयार करके नमकपारे और खसखस मठरी को एयरटाइट डिब्बे में हफ्तों रखा जा सकता है। यह चाय के साथ मेहमानों के सामने परोसने के लिए परफेक्ट है।

चकली

दक्षिण भारत से लेकर उत्तर भारत तक लोकप्रिय चकली बेसन और मक्के या चावल के आटे से बनाई जाती है। इसका स्वाद कुरकुरा और मसालेदार होता है। इसे बनाने में तिल का इस्तेमाल भी किया जाता है। ऐसे में आप पहले से इसे बनाकर भी स्टोर कर सकते हैं। ये काफी दिन तक सही रहती है। जो शाम की चाय के साथ हमेशा इन्हें खाने को दे सकते है। क्योंकि चकली एक स्वादिष्ट नाश्ता है, इसे बनाना आसान है और यह बहुत स्वादिष्ट होता है। यह बेक्ड चकली रेसिपी पौष्टिक रागी के आटे से बनाई गई है, जो इसे रेगुलर आटे के बजाय एक स्वस्थ और बेहतर विकल्प बनाती है।

हंसना मना है

परीक्षा में लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा- मुझे यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़का बोला-जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न-भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को अब नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है?

मेवालाल किरायेदार को घर दिखाकर लौट रहे थे, रास्ते में एक मरियल सा आदमी दिखा, किरायेदार बोला- वाह साहब अभी तो आप बोल रहे थे कि यहां की वातावरण बहुत अच्छी है, यहां कोई बीमारी नहीं होती है तो ये व्यक्ति ऐसा क्यों है, मेवालाल-अरे बेटा ये तो इस इलाके का डॉक्टर है जो भुखा तड़प रहा है।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई, जज ने कहा- तुम ने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उसमें 10 बिस्कुट थे, इसलिए तुम्हें 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया-जज साहब, इस ने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

कहानी | सियार और जादुई ढोल

एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

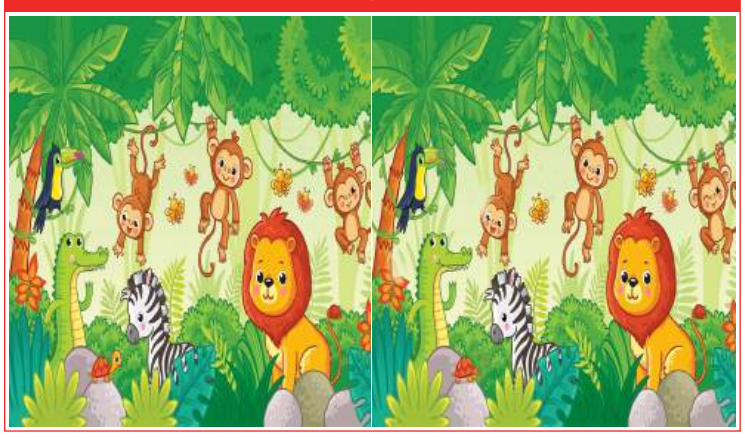

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कुसंगति से हानि होगी।

वृषभ

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन

जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

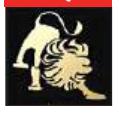

शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

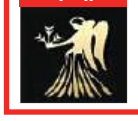

संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला

थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु

कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

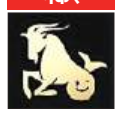

सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन

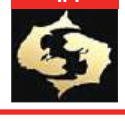

दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी।

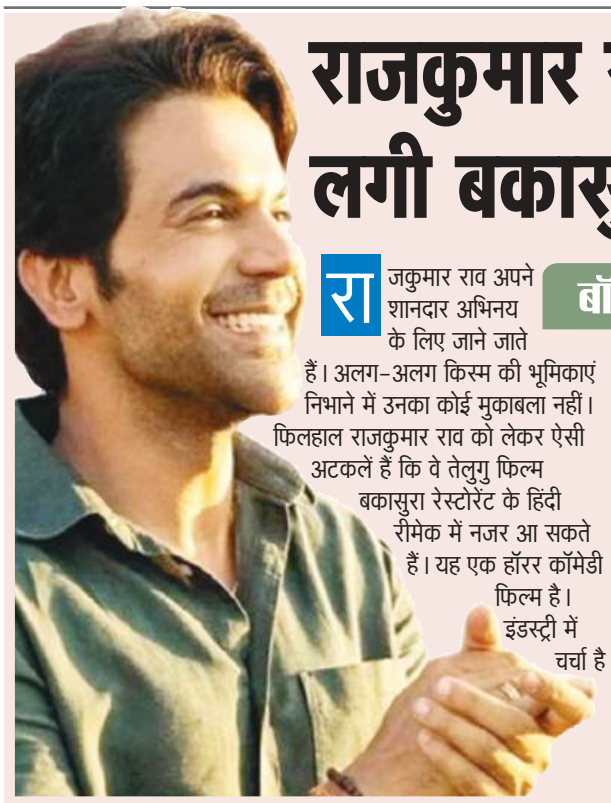

राजकुमार राव के हाथ लगी बकासुरा रेस्टोरेंट!

बॉलीवुड | गपशप

राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज हुई थी बकासुरा रेस्टोरेंट

राजकुमार राव हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री और स्त्री 2 में अपने अभिनय का असर दर्शकों पर छोड़ चुके हैं। बकासुरा रेस्टोरेंट की बात करें तो यह फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हुई। एसजे शिवा द्वारा निर्देशित और लिखित यह एक तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें प्रवीण, जय कृष्णा, विवेक दंडु, अमर लथु, राम पाटस और शाइनिंग फणी जैसे कलाकार हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

जल्द पापा बनेंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म मालिक में नजर आए। यह इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्टर की निजी जिंदगी की बात करें तो वे और पत्नी पत्रलेखा जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर उत्साहित है।

आलिया को 6वीं बार मिला बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड

70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड की सेरेमनी गुजरात के अहमदाबाद में बीती रात हुई। इस अवॉर्ड शो में अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। वहीं आलिया भट्ट को फिल्म जिगरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब दिया गया। हालांकि आलिया इस अवॉर्ड सेरेमनी में नहीं पहुंची थीं। अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसे लेकर रिएक्ट किया है।

बता दें कि फिल्म जिगरा आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। लेकिन आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म जिगरा की टीम के लिए की है।

आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखा, फिल्म जिगरा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के डायरेक्टर वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया, उसके लिए शुक्रिया। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो ईमानदारी दिखाई, उसके लिए थैंक यू। इस सम्मान के लिए फिल्मफेयर का बहुत-बहुत शुक्रिया। काश मैं उस पल को खुद महसूस कर पाती, लेकिन मेरा दिल इस वक्त भरा हुआ है। इसके अलावा आलिया भट्ट ने करण जौहर को भी धन्यवाद दिया। वहीं अलिया ने अंत में लिखा, मैं असल जिंदगी की जिगरा शाहीन भट्ट (बहन) की शुक्रगुजार रहूंगी। उसने हमेशा मुझे धैर्य बनाए रखने को कहा।

आलिया को कितने अवॉर्ड मिले?

बता दें कि आलिया भट्ट ने रिकॉर्ड 6वीं बार बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किया है। जिसमें फिल्म जिगरा के अलावा उड़ता पंजाब, राजी, गली बॉय, गंगूबाई काठियावाड़ी और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी शामिल है। हालांकि सोशल मीडिया पर इस बार एक्ट्रेस को ट्रोल किया जा रहा है।

आलिया भट्ट के अपकमिंग प्रोजेक्ट

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म अल्फा है। जो एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। जो इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके बाद रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर भी नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टारकिड को सबकुछ आसानी से नहीं मिल जाता है : प्रनूतन

प्रनूतन बहल फिल्म इंडस्ट्री के एक मशहूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह मोहनीश बहल की बेटी और दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पोती हैं। उन्हें सिनेमाई पहचान विरासत में मिली है। हालांकि प्रनूतन मानती हैं कि उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं रहा। अभिनेत्री ने बॉलीवुड में एक स्टार किड होने के अपने अनुभव और इस सफर में आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह अभिनेताओं से घिरी रहती थीं, इसलिए उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि यह एक मुश्किल इंडस्ट्री है। उन्हें पता था कि कई बार बिना काम के भी कई दौर गुजारने पड़ेंगे। उन्हें इस बारे में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडस्ट्री में जिन लोगों के माता-पिता नहीं होते, उन्हें चीजें समझ नहीं आतीं, जिससे उनका सफर और भी मुश्किल हो जाता है। बहल ने आगे कहा हर स्टार किड को सब कुछ आसानी से नहीं मिल जाता, और मैं इसका जीता जागता सबूत हूं। ऐसा नहीं है कि मैं एक एक्टर की संतान हूं इसलिए मुझे सब कुछ आसानी से मिल गया है या मेरा परिवार पीछे से फिल्मों के लिए पैसे दे रहा है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्हें एक एक्टर होने के नाते भावनात्मक उथल-पुथल से नहीं जूझना पड़ा, इसलिए उनके लिए सब कुछ कोई झटका नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2016 में अपने ऑडिशन शुरू किए और 2018 में उन्हें अपनी पहली फिल्म मिली। काम की बात करें तो प्रनूतन ने 2019 में जहीर इकबाल के साथ फिल्म नोटबुक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सलमान खान थे। वह जल्द ही हिंदी-अंग्रेजी फिल्म कोको एंड नट का हिस्सा होंगी।

भायावह! अगले 20-30 सालों में पानी में डूब सकता है दुनिया का सबसे छोटा देश

पैसिफिक महासागर की नीली लहरों के बीच बसा एक छोटा सा द्वीप राष्ट्र, जहां हर तरफ समुद्र ही समुद्र है। ये है तुवालू। दुनिया का चौथा सबसे छोटा देश। जहां सिर्फ 10,643 लोग रहते हैं। लेकिन इस सुंदरता के पीछे छिपा है एक भयानक सच। जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 20-30 सालों में ये देश पानी में डूब सकता है। यहां की आबादी वैटिकन सिटी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे कम है। फुनाफुति द्वीप पर बना एयरपोर्ट रनवे ही लोगों का खेल का मैदान है, जहां बच्चे फुटबॉल खेलते हैं क्योंकि पूरा द्वीप इतना छोटा है कि अलग मैदान बनाना नामुमकिन है। धीरे-धीरे पर्यटक इस जगह के प्रति आकर्षित हो रहे हैं लेकिन समय तेजी से निकल रहा है। सोशल मीडिया पर तुवालू के वीडियो वायरल हो रहे, जो इस छोटे राष्ट्र की जूझारू कहानी बयां कर रहे हैं। तुवालू नौ निचले द्वीपों और एटॉल्स का समूह है, जिसका कुल क्षेत्रफल मात्र 25.14 वर्ग किलोमीटर है। यहां की ऊंचाई समुद्र तल से महज 4.6 मीटर है, जो इसे समुद्र स्तर वृद्धि का सबसे बड़ा शिकार बनाता है। फुनाफुति टाइड गेज के अनुसार, समुद्र स्तर 3.9 मिमी प्रति साल बढ़ रहा है जो वैश्विक औसत से दोगुना है। आईपीसीसी रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सदी में वैश्विक समुद्र स्तर 0.2 मीटर बढ़ा, लेकिन तुवालू जैसे छोटे द्वीपों पर इसका असर भयानक होने वाला है। अगले 100 सालों में 20-40 सेमी की वृद्धि से ये द्वीप रहने लायक नहीं रहेंगे। सरकार का दावा है कि दो द्वीप पहले ही डूबने की कगार पर हैं, तटीय क्षरण और खारे पानी का घुसना सबकुछ तबाह कर रहा है। चक्रवात पाम (2015) ने 45प्रतिशत आबादी को विस्थापित कर दिया और फसलें 90प्रतिशत नष्ट हो गई थी। यहां किंग टाइड्स में एयरपोर्ट डूब जाता है और सड़कें टूट जाती है। तुवालू की आबादी पॉलीनेशियन मूल की है, जहां जीवन प्रत्याशा महिलाओं के लिए 70.2 और पुरुषों के लिए 65.6 वर्ष है। जनसंख्या वृद्धि दर 0.86 प्रतिशत है लेकिन माइग्रेशन नेगेटिव है। यानी प्रति 1000 पर मात्र 6.6 लोग ही बाहर जा रहे हैं। बात अर्थव्यवस्था की करें तो मछली पकड़ने, विदेशी सहायता, रेमिटेंस और। 1 डोमेन बिक्री पर टिकी है। लेकिन पर्यटन ये देश दुनिया का सबसे कम विजिटेड देश है जहां 2019 में रिकॉर्ड 3,600 पर्यटक आए थे। धीरे-धीरे अब पर्यटकों का ध्यान इस देश की तरफ मुड़ रहा है।

अजब-गजब | इस समुदाय को माना है दुनिया का आखिरी शुद्ध हंटर गेदरर

पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है यह जनजाति, नहीं बनाते अपना निजी घर

अफ्रीका महाद्वीप की धरती पर अनगिनत जनजातियां बसी हैं, लेकिन तंजानिया के उत्तरी पठार पर बसा हड्ज़ा कबीला उनमें सबसे अनोखा है। ये लोग 60 हजार साल पुरानी जीवनशैली जी रहे हैं, जहां मोबाइल फोन, रेडियो या बिजली जैसी आधुनिक सुविधाएं सपने जैसी है। शिकारी-संग्राहक के रूप में जीने वाले ये 1,500 सदस्यों वाले समुदाय को दुनिया का आखिरी शुद्ध हंटर-गेदरर माना जाता है। प्रसिद्ध ट्रैवल इंफ्लुएंसर ड्रू बिंस्की ने उनके साथ 3 दिन बिताए और यूट्यूब पर 'I Spent x Days With WorldÓs Last Hunter-Gatherer Tribe' नामक वीडियो शेयर किया, जो अब करोड़ों व्यूज बटोर चुका है।

वीडियो में बिंस्की ने दिखाया कि कैसे ये लोग धनुष-बाण से शिकार करते हैं। मधुमक्खी के छत्तों को धुंआ देकर लूटते हैं और जंगली जानवरों का मांस खाते हैं। ऐसी 3 अनोखी परंपराएं हैं, जिन्हें हड्ज़ा कभी नहीं छोड़ सकते। हड्ज़ा कबीले की जिंदगी पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। वे कोई स्थायी घर नहीं बनाते, बल्कि जंगल में घूमते-फिरते रहते हैं। इनकी डेली लाइफ जब लोगों ने देखी तो हैरान रह गए। सुबह उठते ही पुरुष धनुष-बाण लेकर शिकार पर निकल पड़ते हैं। इसके बाद का पूरा दिन शिकार की तलाश में ही बीतता है।

बिंस्की के वीडियो में दिखाया गया कि कैसे एक 8 घंटे की कठिन हंटिंग में वे बबून या अन्य छोटे जानवरों का पीछा करते हैं। इनके धनुष लकड़ी और साइन्यू से बने होते हैं और तीर विषैले पौधों से लथपथ होते हैं। शिकार सफल होने पर मांस को आग पर भूनकर खाया जाता है। इसके बाद बाकी हिस्से बाद के लिए रख देते हैं। महिलाएं जड़ें, फल और बेरियां इकट्ठा करती हैं, जो डाइट का 70प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। यहां कोई बाजार नहीं है और ना ही इनकी कोई मुद्रा है। सब कुछ जंगल से लिया गया।

इनकी दूसरी अनोखी परंपरा है शहद चुराना। हड्ज़ा लोग मधुमक्खी के छत्तों को धुआं देकर बेहोश कर देते हैं। लंबे बांस की छड़ी से छत्ता तोड़ते हैं और शहद निकालते हैं। ये काम इतना खतरनाक है कि कभी-कभी मधुमक्खियां हमला कर देती है। लेकिन उनके लिए ये जीवन का हिस्सा है। तीसरी परंपरा उनकी भाषा है, जिसे हजाने कहा जाता है। ये क्लिक साउंड वाली भाषा है, जहां शब्दों में जीभ की चटक आवाजें होती है। इसका कोई लिखित रूप नहीं है। ये सिर्फ मौखिक होती है। ये भाषा दुनिया की 3प्रतिशत क्लिक भाषाओं में से एक है, जो अफ्रीकी मूल की है। हड्ज़ा कबीले का इतिहास 50-60 हजार साल पुराना माना जाता है।

डीएनए स्टडीज से पता चला कि ये आधुनिक इंसानों के सबसे करीबी वंशज है। वे तंजानिया के एंगारुका इलाके में रहते हैं, जहां लाल मिट्टी और एक्रोबिक झाड़ियां हैं। इनका कोई चीफ या लीडर नहीं होता। फैसले सामूहिक होते हैं। बच्चे 3-4 साल की उम्र से ही शिकार करना सीखते हैं।

अडानी और गूगल मिलकर गढ़ेंगे नई इबारत

» विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर का निवेश
» डिजिटल इंडिया के नए युग की शुरुआत
» रोजगार और विकास का नया इंजन

बनाएंगे भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। भारत के तकनीकी इतिहास में एक बड़ा अध्याय जुड़ गया है। अदाणी समूह और गूगल ने मिलकर विशाखापत्तनम में देश का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर कैंपस बनाने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में 15 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़) का निवेश अगले पांच वर्षों (2026-2030) के दौरान किया जाएगा। यह डेटा सेंटर अडानी कोनेक्स– अडानीएंटरप्राइजेज और अमेरिकी कंपनी एज कोनेक्स के संयुक्त उपक्रम– के माध्यम से स्थापित किया जाएगा।

परियोजना में एयरटेल सहित कई तकनीकी साझेदार भी शामिल होंगे। कैंपस में गीगावॉट-स्तर की कंप्यूटिंग क्षमता, समुद्र-तल केबल नेटवर्क और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन प्रणालियां होंगी, जो भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एआई आधारित कार्यों को गति देंगी। यह एआई हब पूरी तरह ग्रीन एनर्जी से संचालित होगा। अडानी और गूगल ने नई ट्रांसमिशन लाइनों, सौर एवं पवन ऊर्जा संयंत्रों, और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में भी संयुक्त निवेश की योजना बनाई है। परियोजना से न केवल डेटा सेंटर की ऊर्जा जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि इससे भारत की बिजली ग्रिड की क्षमता और स्थिरता भी बढ़ेगी। इस परियोजना से आंध्र प्रदेश और भारत भर में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। यह क्षेत्र को डिजिटल नवाचार, निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा का नया केंद्र बनाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश भारत को एआई आधारित प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनाएगा और देश को वैश्विक टेक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी स्थिति दिलाएगा।

भारत की एआई क्षमता अपार है : कुरियन

गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा भारत की एआई क्षमता अपार है। गूगल एआई हब इस परिवर्तन का आधार बनेगा और यह व्यवसायों, शोधकर्ताओं और रचनाकारों को विश्वस्तरीय तकनीक के साथ जोड़ने का माध्यम बनेगा। अडानी के साथ मिलकर हम इन संसाधनों को भारतीय समुदायों के और करीब ला रहे हैं।

हरित ऊर्जा से संचालित होगा डेटा सेंटर

भारत के डिजिटल भविष्य में निवेश : गौतम अडानी

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा, यह केवल अवसंरचना में नहीं, बल्कि एक उभरते राष्ट्र की आत्मा में निवेश है। गूगल के साथ यह साझेदारी हमारे साझा विज़न राष्ट्र निर्माण और हर भारतीय को 21वीं सदी के उपकरणों से सशक्त करने' को आगे बढ़ाएगी। विशाखापत्तनम अब वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर नई पहचान बनाएगा।

भारत के लिए एक यादगार दिन

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी को विशाखापत्तनम में भारत के सबसे बड़े एआई डेटा सेंटर परिसर के निर्माण के लिए गुगल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जिसे विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ज़रूरतों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस सुविधा में डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क प्रशिक्षण और बड़े पैमाने पर एआई मॉडल इंफ़रेंस के लिए आवश्यक टीपीयू और जीपीयू-आधारित कंप्यूटिंग शक्ति होगी और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा जो भारत के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों - स्वास्थ्य सेवा और कृषि से लेकर लॉजिस्टिक्स और वित्त तक के लिए एआई-संचालित समाधानों को गति प्रदान करेगा। हमें भारत की एआई क्रांति को गति देने के लिए इंजन का निर्माण करने और हमारे देश के प्रतिभाशाली दिमागों को जटिल चुनौतियों का समाधान करने के लिए उपकरण प्रदान करने पर गर्व है।

भाजपा बिना खरीद-फरोख्त एक सीट नहीं जीत सकती : उमर

» रास चुनाव पर सीएम बोले- डरा-धमकाकर या खरीदकर ही संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पास जरूरी संख्या नहीं है और वह धनबल, बाहुबल और एजेंसियों के दबाव के जरिए सीटें जीतने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, भाजपा बिना खरीद-फरोख्त के एक भी राज्यसभा सीट नहीं जीत सकती। उनके पास सिर्फ 28 विधायक हैं जबकि एक सीट जीतने के लिए 30 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

अगर वे दावा कर रहे हैं कि वे तीन सीटें जीतेंगे, तो इसका सीधा मतलब है कि वे धमकाकर, खरीदकर या दबाव बनाकर चुनाव जीतना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर भाजपा यह साबित करना चाहती है कि बिहार में जो बातें उनके खिलाफ कही जा रही हैं वह सच नहीं हैं, तो उन्हें निष्पक्ष चुनाव लड़ना चाहिए। अगर वे सचमुच ईमानदारी से चुनाव जीतना चाहते हैं तो अपनी संख्या के आधार पर लड़ें, न कि एजेंसियों की मदद से। यह चुनाव साफ कर देगा कि कौन भाजपा का असली दोस्त है और कौन नहीं।

कांग्रेस हमारी गठबंधन सहयोगी है : उपमुख्यमंत्री

भाजपा पर तीखा पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा नेताओं ने खुद को नई दिल्ली की कठपुतली बना लिया है और ऐसा लगता है कि महबूबा मुफ्ती भी उनके सुर में सुर मिला रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस की गठबंधन सहयोगी है। राज्यसभा चुनाव को लेकर चल रही राजनीतिक गतिविधियों के बीच श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने भाजपा पर जम्मू-कश्मीर के लोगों से जुड़े वास्तविक मुद्दों से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी गठबंधन सहयोगी है लेकिन जम्मू-कश्मीर में भाजपा के लोग खुद कठपुतली हैं और अब महबूबा भी उनके साथ शामिल हो गई हैं। भाजपा को नई दिल्ली से जो भी मिला वे उसे यहां आपके सामने पढ़ रहे हैं। महबूबा मुफ्ती भी यही कर रही हैं। मुफ्ती और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा की भाषा एक जैसी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को प्रभावित करने वाले वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय बयानबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भाजपा की आलोचना की।

लद्दाख के लोगों से वादा खिलाफी कर रही पार्टी : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन अब उसे पूरा करने से पीछे हट रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के भारत दौरे का उल्लेख करते हुए भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भाजपा लददाख के लोगों से वादा खिलाफी कर रही है। कांग्रेस नेता ने पोस्ट किया, मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे। भारत ने अक्टूबर 1961 में मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी।

50 साल से सिंधिया परिवार का सांसद, अच्छा स्कूल भी नहीं दे सके : पटवारी

» भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री पर कांग्रेस का निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवपुरी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ो आंदोलन की रैली में शामिल होने के लिए आए जीतू पटवारी ने एक आमसभा में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर जमकर निशाना साधा। रविवार को गांधी पार्क में आयोजित इस रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से बीते 50 साल से सिंधिया परिवार का सांसद चुना जा रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कई साल से इस क्षेत्र से सांसद हैं, लेकिन इतने साल से सांसद होने के बाद भी क्षेत्र में गरीबी कायम है, शिक्षा की हालत खराब है, कुपोषण ज्यादा है, इतना ही नहीं एक अस्पताल और स्कूल तक की स्थिति भी ठीक नहीं है।

लोगों के पास रोजगार नहीं है और गरीबी के हालातों के बीच किसान परेशान हैं। जीतू पटवारी ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अतिथि विद्वानों और किसानों की कर्जमाफी का बहाना बनाकर कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। उस समय उन्होंने एक शेर की कुछ पंक्तियां भी कही थीं-उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है, लेकिन अपना फायदा देखने के लिए उन्होंने मंत्री पद धारण कर लिया और अतिथि विद्वानों तथा किसानों की बात पर चुप्पी साध ली। जीतू पटवारी ने कहा कि जब चुनाव आते हैं तो रील बनाने के लिए सिंधिया और उनके परिवार के लोग मिठाई और चाय की दुकानों पर चले जाते हैं।

भारत ने वेस्टइंडीज का सीरीज में किया क्लीन स्वीप

» दूसरे टेस्ट मैच में इंडीज को सात विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को भारत ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच पांचवें दिन तक गया। भारत ने मंगलवार को एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलना शुरू किया और साई सुदर्शन (39 रन) और कप्तान शुभमन गिल (13) के विकेट गंवाए। केएल राहुल ने टेस्ट करियर का 20वां अर्धशतक लगाया और छह चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। ध्रुव जुरेल छह रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। तब भारत 270 रन से आगे था। ऐसे में भारत ने फॉलोऑन खिलाने का फैसला लिया और जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ने 390 रन बनाए। वेस्टइंडीज की कुल बढ़त 120 रन की हुई और भारत को 121 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। यह बतौर कप्तान शुभमन गिल की पहली टेस्ट सीरीज जीत है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में गिल टेस्ट कप्तान बने थे। हालांकि, वह सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ था। अब गिल ने कप्तानी करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। उन्होंने वेस्टइंडीज का 2-0 से सफाया कर आगाज किया है। रवींद्र जडेजा प्लेयर ऑफ द सीरीज बने, जबकि कुलदीप यादव प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। भारत को अब नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

डब्ल्यूटीसी टेबिल में भारत तीसरे स्थान पर कायम

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने सात विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही डब्ल्यूटीसी में भारत के खाते में 12 अंक और जुड़ गए और अब अंक तालिका में भारत के कुल अंक 40 से बढ़कर 52 हो गए हैं। इस जीत के बाद भी भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर ही रहा, लेकिन उसका पॉइंट प्रतिशत 55.56 प्रतिशत से बढ़कर 61.90 प्रतिशत हो गया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत पॉइंट प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है। टीम ने अब तक तीन मैचों में तीन जीत दर्ज की हैं और उसके पास 36 अंक हैं। श्रीलंका दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर है। उसका पॉइंट प्रतिशत 66.67 प्रतिशत है। वहीं भारत, छह मैचों में तीन जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। इंग्लैंड दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 43.33प्रतिशत पॉइंट पर्सेंटेज के साथ चौथे स्थान पर है।

वाह रे योगी की नाकाम लखनऊ पुलिस

» युवती की जान को खतरा, खुले आम घूम रहा आरोपी

» यौन शोषण कर किया ब्लैकमेल, लाखों ऐंठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिलाओं की आत्म सम्मान की बात करने वाली भाजपा की योगी सरकार में एक यौन शोषण की शिकार युवती महीनों पहले पुलिस से शिकायत कर चुकी है पर उसकी गुहार पर अब भी पुलिस मौन है उसक सुनने वाला कोई नहीं है। हालत ये है कि पुलिस इतना समय बीतने पर भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। मामला किसी यूपी के सुदूर इलाके का नहीं है।

ये ममाला राजधानी के पाश इलाके गोमती नगर का है। युवक व युवती अलग-अगल समुदायों से हैं। पीड़िता ने गोमती नगर के विभूति खंड थाने में युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग बलात्कार व धर्म परिवर्तन कराने के संबध में शिकायत की है। पीड़िता ने बताया कि दाउद खान पुत्र जाकिर खान निवासी आदर्श अपार्टमेंट 793, चौथा तल ईदगाह सिल्वर हाइट्स 1 विजय खंड से उसकी दोस्ती हुई। बाद में दाउद ने उससे शादी करने का वादा किया। जब पीड़िता ने कहा कि गैर धर्म की है तो युवक ने कहा कि धर्म बदलने की जरूरत नहीं है। वह उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा साथ ही उसने उसके वीडियो बना लिए और शोषण करता रहा। पीड़िता ने बताया कि ब्लैकमेलिंग करके पहले दो लाख दाउद ने अपने खाते में डलवाए और 80 हजार रूपये कैश में लिया।

पिता जाकिर ने जान से मारने की धमकी दी

पीड़िता ने बताया कि जब उसने दाउद से कहा कि वह प्रैगनेंट है तो उसने अर्बाशन करने को कहा। उसने ये सारी बातें दाउद के माता-पिता से बताई तो उन्होंने भी मुझ पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। ऐसा ने करने पर दाउद के पिता जाकिर ने जान से मारने की धमकी भी दी।

शर्म से सिर झुक गया: जावेद अख्तर

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के स्वागत पर भड़के गीतकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मशहूर स्क्रीनराइटर और गीतकार जावेद अख्तर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के भारत दौरे पर हुए स्वागत की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकी संगठन के प्रतिनिधि को सम्मान देने वाला कदम बताते हुए शर्मिंदगी जताई।

अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब मैं देखता हूं कि आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोग तालिबान जैसे संगठन के प्रतिनिधि को सम्मान और स्वागत दे रहे हैं, तो मेरा सिर शर्म से झुक जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद की भी निंदा की, क्योंकि उसने मुत्तकी का आदरपूर्ण स्वागत किया। दारुल उलूम देवबंद दक्षिण एशिया का एक प्रमुख इस्लामिक सेमिनरी है। अख्तर ने विशेष रूप से देवबंद के रवैये पर सवाल उठाए, जहां मुत्तकी को इस्लामिक हीरो के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि यह वही तालिबान है, जिसने लड़कियों की शिक्षा पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। अख्तर ने लिखा, देवबंद को शर्मिंदगी होनी चाहिए।

बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर मची है तकरार

गढ़ छीने जाने से नीतीश नाराज, भाजपा लिस्ट अटकी, शिवहर सीट पर जदयू कार्यकर्ताओं का हंगामा, आनंद मोहन के बेटे का विरोध, चुनावी सरगर्मियां तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। बिहार में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। एनडीए व महागठबंधन में सीटों को लेकर बातचीत लगभग फाइनल मानी जा रही है। दोनों गठबंधनों की ओर अपनी-अपनी जीत के दावे किए जा रहे हैं। इन सबके बीच नेताओं एक दल से दूसरे दल में आने-जाने का सिलासिला भी जारी है।

वहीं सभी पार्टियों में कुछ सीटों पर उम्मदीवरों को लेकर भी तकरार मची हुई है। औरंगाबाद के नबीनगर में जदयू नेता शिवहर से विधायक रहे चेतन आनंद का जदयू कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं। यहां से जदयू ने शिवहर की सांसद लवली आनंद के पुत्र चेतन को टिकट देने की हरी झंडी दिया है। सोमवार को आनंद मोहन नबीनगर पहुंचे थे जिस कारण जदयू कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह के टिकट न मिलने से नाराज जदयू कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नबीनगर में प्रदर्शन किया हैं। जदयू ने अपने पारंपरिक गढ़ों को सहयोगी दलों, विशेषकर लोजपा (आर) और भाजपा, को दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। इस आंतरिक कलह के कारण भाजपा को उम्मीदवारों की सूची जारी करने से पीछे हटना पड़ा है, जबकि जदयू विधायक गोपाल मंडल भी टिकट कटने की आशंका में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्थिति एनडीए की एकता और अंदरूनी गतिशीलता पर सवाल खड़े करती है।

कार्यकर्ता जदयू से वीरेंद्र को टिकट देने की मांग कर रहे

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता जदयू से वीरेंद्र को टिकट देने की मांग कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन में जदयू के जिला उपाध्यक्ष महावीर मेहता, जिला सचिव रामेश्वर सिंह, अशोक मेहता, युवा जदयू के नगर अध्यक्ष मंटू कुमार सिंह शामिल रहे। सभी ने विरोध में जमकर नारेबाजी की। बता दें कि नबीनगर से वर्तमान में राजद के विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डबलू हैं। औरंगाबाद के नबीनगर से पहुंचे जदयू कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं। वह पूर्व विधायक बीरेंद्र सिंह को टिकट देने की मांग को लेकर पटना पहुंचे हैं। नारेबाजी कर रहे लोगों का कहना है आनंद मोहन के को वहां से टिकट दिए जाने की सूचना पर वे यहां पहुंचे हैं।

तेज प्रताप की जेजेडी ने जारी की पहली सूची

तेज प्रताप यादव की नवगठित जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) ने 21 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। तेज प्रताप स्वयं अपने पारंपरिक गढ़ महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे, जहाँ से उन्होंने 2015 में जीत दर्ज की थी। यह कदम जेजेडी के बिहार की राजनीति में अपनी पैठ बनाने के गंभीर इरादों को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों के माध्यम से युवाओं और जमीनी स्तर के मतदाताओं से जुड़ना है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में, तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) ने 21 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, तेज प्रताप यादव अपने पारंपरिक गढ़ महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने कहा कि उनका लक्ष्य ऊर्जावान और स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारना है जो युवाओं और जमीनी स्तर के मतदाताओं से जुड़ सकें। तेज प्रताप यादव उसी सीट पर लौट रहे हैं जहां से उन्होंने 2015 में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। वह अपनी नवगठित जनशक्ति जनता दल के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, जिसका लक्ष्य 6 और 11 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले पूरे बिहार में अपनी पैठ बनाना है।

लालू यादव ने राजद के टिकट बाँटे

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोमवार को कई वफादारों को पार्टी के चुनाव चिन्ह बाँटे, जबकि महागठबंधन ने अभी तक आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया है। आईआरसीटीसी घोटाले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेशी के बाद दिल्ली से लौटने पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर भारी भीड़ जमा हो गई। पार्टी आलाकमान से बुलाए गए उम्मीदवार पार्टी का चुनाव चिन्ह लेने पहुँच गए। कई उम्मीदवार चुनाव चिन्ह दिखाते हुए दिखाई दिए, उनके चेहरे खिले हुए थे। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कितने उम्मीदवारों को आधिकारिक तौर पर पार्टी का टिकट दिया गया है।

राहुल गांधी के प्यार, विकास और संघर्ष से जीतेगा महागठबंधन : पप्पू यादव

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन के महत्व पर ज़ोर दिया और बिहार विधानसभा चुनाव को विनाश और विकास के बीच का मुकाबला बताया। उन्होंने कांग्रेस सांसद की मतदाता अधिकार यात्रा का ज़िक्र करते हुए कहा कि इंडिया ब्लॉक अपने चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ताकत का भरपूर इस्तेमाल करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी पार्टी और कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए जीते हैं। गठबंधन का सिद्धांत सर्वोपरि है, चाहे वह छोटी पार्टी हो या बड़ी। गठबंधन महत्वपूर्ण है, बिहार की जनता महत्वपूर्ण है, और इंडिया गठबंधन की जीत महत्वपूर्ण है; सीटें महत्वपूर्ण नहीं हैं। यह चुनाव विनाश बनाम विकास पर आधारित है... यह चुनाव राहुल गांधी के प्रेम, विकास और संघर्ष के बल पर लड़ा जाएगा। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे आम आदमी के रोज़गार के मुद्दों से कटती जा रही है और ऐसी गलतियाँ न करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अब पार्टियाँ तकनीकी होती जा रही हैं। सरकार ज़मीन से कम जुड़ी हुई है। हमें ऐसी बातों से बचना चाहिए और पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करना चाहिए।

भाजपा सरकार विरोधियों को सता रही है: अखिलेश प्रसाद

» लालू परिवार पर आरोप पर कांग्रेस बोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रियों लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय किए जाने के बाद, कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने सोमवार को भाजपा की कड़ी आलोचना की और उस पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि वे (भाजपा) राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाते हैं और यह सब करते हैं... इस देश में सत्ता में बैठी सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को लगातार परेशान करती है, चाहे वह ईडी, सीबीआई या अदालतों के माध्यम से हो। लेकिन इन सबका बिहार चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा; इसका उल्टा असर होगा। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा तय किए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि वे इस मामले के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया और आगे कहा कि लालू प्रसाद यादव एक ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते रहे हैं और बिहार और देश की जनता सच्चाई से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि हम यह केस लड़ेंगे। हम शुरू से ही कह रहे हैं कि चूंकि चुनाव आ रहे हैं, इसलिए यह सब होगा। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं। हम केस लड़ेंगे... बिहार की जनता समझदार है और उसे पता है कि क्या हो रहा है।

इंजीनियर सुसाइड मामले में घिरा आरएसएस

विपक्ष ने रोक लगाने की मांग की, शाखा पर कांग्रेस नेता ने लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के 26 साल से इंजीनियर के सुसाइड के बाद कांग्रेस समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरएसएस पर करारा प्रहार किया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गहन जांच की मांग की। इंजीनियर द्वारा कथित तौर पर लिखे गए सुसाइड नोट में आरएसएस के सदस्यों द्वारा दशकों तक यौन शोषण का आरोप लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि 26 वर्षीय इंजीनियर आनंदू अजी ने आत्महत्या कर ली और आनंदू को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया। आनंदू की कहानी एक त्रासदी है। उन्होंने कहा कि आनंदू अजी का एक इंस्टाग्राम पोस्ट भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपना दर्द बयां किया है। आनंदू का यह आखिरी पोस्ट उनकी आखिरी पुकार है। मेरा मानना है कि समाज को आनंदू की आखिरी पुकार सुनाना बहुत जरूरी है। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो इसे पाप माना जाएगा। खेड़ा ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आरोप लगाया।

छोटे बच्चों के साथ यौन शोषण होता है : पवन खेड़ा

पवन खेड़ा ने यह दावा दोहराया कि संगठन की शाखाओं में कई अन्य बच्चों के साथ भी यौन शोषण हो रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि चार साल के एक बच्चे के पिता ने उसे आरएसएस की शाखा में भेजना शुरू किया, इस उम्मीद में कि वह कुछ अच्छा सीखेगा। लेकिन आरएसएस की शाखा के अंदर, उस मासूम चार साल के बच्चे का यौन शोषण हो रहा है; उसका बलात्कार हो रहा है। ने वाली बात कुछ नहीं हो सकती। उसने एक नाम लिखा है, लेकिन वह कह रहा है कि ऐसे कई और लोग हैं जहां उनके ओटीसी शिविरों में यौन शोषण होता है। यह सिर्फ आनंदू अजी की बात नहीं है। आनंदू के अनुसार, आरएसएस के प्रशिक्षण शिविरों में कई बच्चों का यौन शोषण हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आरएसएस समाज सुधार का स्वयंभू ठेकेदार तो है, लेकिन न तो खुद को पंजीकृत कराता है और न ही सदस्यता रजिस्टर रखता है। आरएसएस के पास सदस्यता रजिस्टर भी नहीं है। ऐसे में जब आनंदू जैसे उदाहरण सामने आते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि पर्दे के पीछे आरएसएस नाम का एक सड़ा हुआ संगठन है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।